जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

August 16, 2022

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने हिंदी, उर्दू और संस्कृत में अखिल भारतीय मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया

जामिया मिलिया इस्लामिया (JMI) ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के तत्वाधान में 12 अगस्त, 2022 को एक अखिल भारतीय मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया । समारोह में कवियों और शायरों ने हिन्दी, उर्दू और संस्कृत में अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। विश्वविद्यालय, इस अखिल भारतीय मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन हर वर्ष करता है जिसका उद्देश्य कविताओं के माध्यम से सार्वभौमिक भाईचारे, सद्भाव और देश प्रेम का संदेश फैलाना है।
समारोह में जामिया के पूर्व कुलपति सैयद शाहिद मेंहदी मुख्य अतिथि थे और हिमालय ड्रग्स कंपनी के अध्यक्ष डॉ सैयद फारूक समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम का आयोजन जामिया के फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सभागार में किया गया था।

जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. अख्तर ने हॉल में मौजूद सभी लोगों को स्वतंत्रता दिवस की मुबारकबाद देने के बाद कहा कि ये आज़ादी हमारे लिए कितनी बड़ी नेमत है आजकी नस्ल शायद इसका अंदाजा भी नहीं लगा सकती है। लेकिन जिन लोगों ने अपना खून-पसीना एक करके और अपनी जान की बाज़ी लगाकर आज़ादी की ये दौलत हासिल की है उनको हम जितना भी जोशो-ख़रोश से याद करें कम है। यहाँ हमे यह नहीं भूलन अचहिये की आज़ादी की जद्दोजहद में शायरों और कवियों का बहुत बड़ा किरदार रहा है। उर्दू , हिंदी और देश की दूसरी ज़ुबानों के शायरों और कवियों ने अपने ख़यालात से जो रौशनी फैलाई है वो आज हमारे लिए एक कीमती विरासत का दर्जा रखती है।

प्रो. अख्तर जामिया, स्वतंत्रता संघर्ष से उत्पन्न एक ऐतिहासिक संस्थान है जिससे जुड़े लोगों ने आज़ादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत की गंगा- जमुनी तहज़ीब का एक बहुत बड़ा केंद्र है यह संस्थान ।

प्रो. शेहपर रसूल कार्यक्रम के संयोजक थे और श्री मंसूर उस्मानी मुशायरे और कवि सम्मेलन के सूत्रधार थे।
जिन शायरों और कवियों ने बाहर से आकर अपनी रचनायें पेश कीं उनमें, श्री मंसूर उस्मानी , श्री राजेश रेड्डी, श्री आजम शाकिरी, श्री शकील जमाली, सुश्री अमीता परशुराम, श्री मोईन शादाब, सुश्री माला कपूर और श्री सलीम सलीम शामिल हैं।

जामिया से प्रो. शेहपर रसूल, प्रो. अहमद महफूज़, प्रो. दुर्गा प्रसाद, प्रो. कौसर मज़हरी, प्रो. चंद्रदेव यादव, प्रो. दुर्गा प्रसाद, डॉ. अब्दुल नसीब खान और डॉ. धनंजय मणि त्रिपाठी ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत अपनी नज़्में और कवितायेँ प्रस्तुत कीं।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया